Fourteenth Loksabha

Session : 6
Date : 21-12-2005
Participants : Dubey Shri Chandra Shekhar

>

Title : Need to allot railway land and construct houses for daily wagers whose houses have been demolished at Dhanbad.

श्री चन्द्र शेखर दूबे (धनबाद) : अध्यक्ष महोदय, दिनांक 11-12-05 को धनबाद रेल मंडल के अधिकारियों के नेतृत्व में, बिना किसी सूचना के रेलवे पुलिस की सहायता से रांगा टाड़ रेलवे कालोनी धनबाद में दैनिक मजदूरी करने वाले और झुग्गी झोंपड़ी में रहकर जीवनयापन करने वाले, बांसदेव राम, पटल राम, उाा देवी, नारायण राम, रामेश्वर, राजेन्द्र आदि के घरों को उजाड़ दिया गया है। साथ ही सभी घरेलू सामानों को तोड़-मरोड़ कर बर्बाद कर दिया है। उनके परिवार की औरतों, लड़कियों को बुरी तरह मारा-पीटा गया है। इस कड़ाके की ढंडक में खुले आसमान में रहने के लिए इन दैनिक मजदूरी करने वाले दर्जनों परिवारों को मजबूर कर दिया गया है।

अध्यक्ष महोदय, इसी सदन में सरकार ने घोाणा की थी कि रेलवे की जमीन से किसी खटाल या झुग्गी झोंपड़ी को नहीं उजाड़ा जाएगा। यदि जरूरी हुआ तो उन्हें जमीन का बंदोबस्त किया जाएगा और व्यापार के लायक जो जमीन होगी, उसमें दुकान बनवा कर बेरोजगारों को रोजगार दिया जाएगा। रेलवे पुलिस एवं अधिकारियों के इस बर्बरतापूर्ण कार्य से धनबाद में तनाव की स्थिति बनी हुई है।

मैं सरकार से मांग करता हूं कि ठंड में रह रहे इन दैनिक मजदूरों को, रेलवे की जमीन आबंटित करके उनके आवास का निर्माण अविलंब किया जाए और दोाी अधिकारियों को दंडित किया जाए। साथ ही इन गरीब मजदूरों को जो हानि हुई है, उसकी क्षतिपूर्ति की जाए।

अध्यक्ष महोदय, इसी सदन में रेलवे मंत्री जी ने घोाणा की थी कि जितनी भी रेलवे की जमीनें हैं, जो फालतू जमीनें हैं, उन्हें कमर्शियल प्वाइंट ऑफ व्यू से दिया जाएगा, झुग्गी झोंपड़ी नहीं उजाड़ी जाएगी, खटाल नहीं उजाड़ी जाएगी। आज धनबाद की स्थिति यह है कि वहां चारों तरफ हाहाकार मचा हुआ है, तनाव की स्थिति बनी हुई है, इसलिए इस पर विशो ख्याल किया जाए।